वेच वाणि वस्यि-व्यंशामुके वस्य उसकेत्या शासकीय कर्मधा-यांस विशेष वास्त्र मत्ताः मंत्रर करण्याचारतः

मठाराष्ट्र नास्त्र विस्त विभावः

शास्त्र वरियमण कर्माण-टिजाएके-१३८१/सीजाए-५५५/एसईवाए-५, मंत्रातय, मुंबई-५०० ०३२, विस्रोठ २९ वृक्ष १९८१.

## परिप्रश्

शासन निर्णय, विता विभाग क्रमांक टीजाएके-१३०९/सीजाए-१७३०/एसईजाए-५, विश्वांक ३० क्षेत्राची १९८० थ्या परिकोब-३ मदीत तएतुवीबुसाए के। जाणि जिल्लामामुके जत् जसतेत्वा मासकीय कर्मवा-वांकी विभाग वासन भारत निकल्पासाठी जापत्या विभाग प्रमुखांको जर्म करावयास पाडिने, विभाग प्रमुखांको जना प्रकारिया प्रकल्पासर योग्य त्या वेद्यकीय जरिका-पांची भिष्यरस प्राप्त केत्यानंतर सबर मिक्सिस्था ताण्डेपासन, तथापि विद्यमान कर्मवा-यंथि बाबतीत विश्वांक १ वाहेसाटी १९८० पासन उत्तर किल्ल वासन अत्यास मंत्री व्यावी जसे शासनांत जावेदा विते जातेता.

- 3. जैयं किंवा जिल्लामुके ज्यं वस्तार्था गांसकीय कर्मधा-पांच्या विशेष वाक्रम मत्ता प्रकल्मी देव्यकीय जिल्ला-पांक्यम विभाग प्रमुखांचा तथा प्रकार प्राप्त केंग्यांचा विशेष देव्यकीय महिला जोड़े. बी गांपता तथात देव्यकी गांसक गांसक असे रपस्ट करते की, विश्लोक ? वाक्षेपांची १९८० इतर गांसकीय देवत केंग्रिक लागित व्यापता जीवा व अस्तिर्धामुक जयं कर्मधा-पांच्या बाबतीत संबंधित देव्यकीय उत्तिक निर्मा निर्माण केंग्रिक जां कर्मधा-पांच जेताच वा अस्ति व्यापता प्रमाणित केंग्रे असेत तथा तारक्षेपांचूम जिला र पांच्या गांसकीय सेदेतीत केंग्रिक व्यापता तारक्षेपांचूम वातित वी तारीम जैतर असेत तथा पांचूम विभाग प्रमुखीनी उत्ता विश्लोम वाद्य गता विश्लोम वाद्यक मत्ता प्रकरण गांसम क्रियं विता विश्लाम, क्रमीक व्यापता वाद्यक्र मत्ता प्रकरण गांसम क्रियं विता विभाग, क्रमीक व्यापता वाद्यक्र न श्रेष्ठ र विता वाद्यक्र न श्रेष्ठ र वाद्यक्र वाद्यक्र करकात वाद्यक्र न श्रेष्ठ र वाद्यक्र वाद्य
- 3. या परिपत्रणायी देशनी प्रत संवित नेहिली अहे.

महाराष्ट्राये राज्यवात याच्या अवेताबुवार व बावाबे.

ब. दा. घोडके. शासबाये उप स्थिद, थिला विशाय.

nia

महालेबापाल- महाराष्ट्र-! मुंबई,
महालेबापाल- महाराष्ट्र-२- सागुएर,
बिरादाल व लेबा बिराणारी, मुंबई (महाराष्ट्र राज्य),
मुख्य लेखा परीक्षण, स्थातिक लिखा लेबा,- महाराष्ट्र राज्य, मुंबई,
लिखासी लेखा परीक्षा जरिकारी, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई,
राज्यपालीय संधिय,
सूख्य मैंग्यूचि संधिय,
सूख्य मैंग्यूचि संधिय,
सूख्य मैंग्यूचि व राज्यमैंग्याचे स्वीय सहाय्यक,
पूर्वंदाक- सूक्ष स्थायालय शासा, उच्च स्थायालय, मुंबई,
पूर्वंदाक, तेक स्थायालय शासा, उच्च स्थायालय, मुंबई,
सुध्य महाराष्ट्र विशासमैंडक संधियालय, मुंबई,
पूर्वंदाक, तेक अध्यत व उप सोक्यायुक्त, यीच कार्यालय, मुंबई,
मेंगातयाचे सर्व विशास,

RIR.

विवास व्यवस्था विरोशक सामान्य प्रशासन विमान, मुंबई, विशेष अस्तरा मुहाराष्ट्र सदत, कापनित्य राष्ट्र, निवी दिली, मुहाराष्ट्र सदत, कापनित्य राष्ट्र, निवी दिली, मुशालयाच्यो विराशास्या अपीन असंतर्था सर्व विशामिय व कार्यात्यि प्रमुख, सर्व जिल्हा परिष्टाये मुख्य कार्यकारी अशिकारी, संपर्क अशिकारी, मुंबई, विस्त विभागातील सर्व कार्याति । विस्त विभागातील सर्व कार्याति । विस्त विभागातील सर्व कार्याति । विस्त विभागातील सर्व कार्याति ।

कर्माक विश्वीक योध्या मारितीसाठी व मार्गदर्गनासाठी प्रत पाठिपण्यात जाली जाहे.

IMMEDIATE

Special Conveyance Allowance-Grant of - to Blind and Orthopsedically Handicapped Government employees.

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
Finance Department.
Circular No. TRA-1381/CR-544/SER-5.
Mantralaya, Bombay-400 032; Dated the 29th June 1981.

## CIRCULAR

According to para 2 of Government Resolution, Finance Department, No. TRA-1379/CR-1737/SER-5, dated the 20th February 1980, Blind and Orthopaedically handicapped Government employees have to apply to their respective Heads of Departments for grant of Special Conveyance Allowance. Thereupon the Heads of Departments should sanction the Special Conveyance Allowance in such cases from the date of receipt of the recommendations of the competent Medical Authorities and in case of employees already in Government Service with effect from 1st January 1980.

2. It is, however, possible that the Heads of Departments might not be receiving the recommendations from the Competent Medical Officers for grant of Special Conveyance Allowance to the Blind and Orthopaedically Handicapped Government Employees, in time. Considering such a possibility, Covernment is pleased to clarify that in case of Blind or Orthopaedically handicapped employees, who have entered the Government Services after 1st January 1980, the Special Conveyance Allowance should be granted by the Heads of Department from the date on which the blindness or Orthopaedically disability has occurred and accordingly certified as such, by the Competent Medical Authorities or from the date of appointment, whichever is later. However, cases of grant of Special Conveyance Allowance in respect of Blind or Orthopaedically handicapped persons employed in Government Service prior to 1st January 1980 should be regulated in accordance with the provisions contained in para 2 of the Government Resolution, Finance Department, No. TRA-1379/CR-1737/SER-5, dated the 20th February 1980.

By order and in the name of the Governor of Maharashtra,

A.D. GHODKE, Deputy Secretary to Government, Finance Department.

Copy to:-

The Accountant General, Maharashtra I, Bombay, The Accountant General, Maharashtra II, Nagpur.

H-408(8,000+5-7-81)-a.